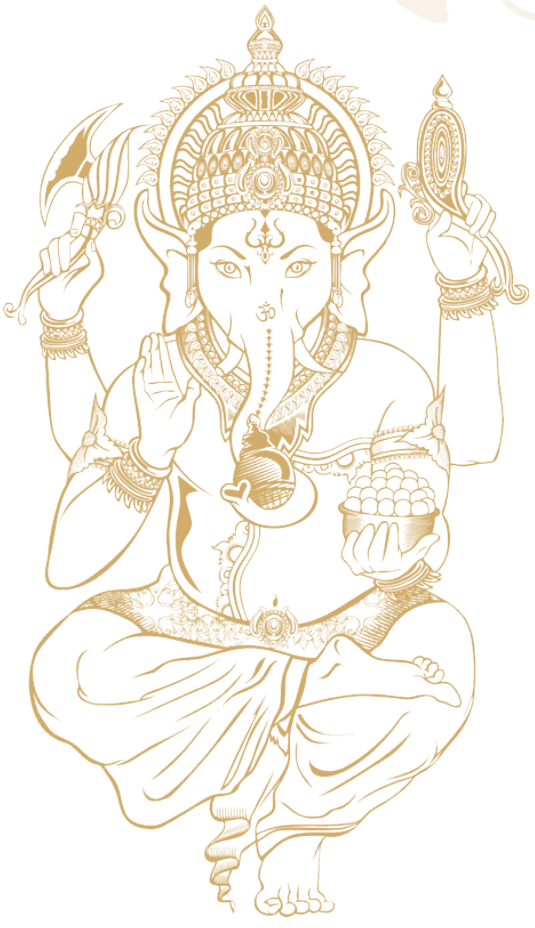

Rohan

Purva

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121889309

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/10/1998	जन्म तिथि	26-27/12/2002
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 12:50:00	जन्म समय	05:05:00 घंटे
घटी 16:02:01	जन्म समय(घटी)	55:06:47 घटी
India	देश	India
Jalgaon	स्थान	Dhullia
21:01:00 उत्तर	अक्षांश	20:53:00 उत्तर
75:39:00 पूर्व	रेखांश	74:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:24	स्थानिक संस्कार	-00:30:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:25:11	सूर्योदय	07:05:17
17:59:35	सूर्यास्त	17:57:06
23:50:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:40

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 8वर्ष 10मा 11दि		00:51:48	मक	लग्न	वृश्चि	13:09:46	चन्द्र 9वर्ष 6मा 12दि	
शनि		03:51:18	तुला	सूर्य	धनु	11:07:41	राहु	
01/09/2023		13:26:04	तुला	चंद्र	कन्या	10:37:10	10/07/2019	
01/09/2042		14:31:43	सिंह	मंगल	तुला	22:26:20	10/07/2037	
शनि	04/09/2026	20:11:30	तुला	बुध	मक	00:55:30	राहु	22/03/2022
बुध	14/05/2029	25:13:46	कुंभ व	गुरु व	कर्क	23:23:23	गुरु	15/08/2024
केतु	23/06/2030	01:34:52	तुला	शुक्र	तुला	25:12:00	शनि	22/06/2027
शुक्र	23/08/2033	06:31:13	मेष व	शनि व	मिथु	00:56:52	बुध	08/01/2030
सूर्य	05/08/2034	05:58:04	सिंह व	राहु	वृष	14:30:34	केतु	27/01/2031
चन्द्र	05/03/2036	05:58:04	कुंभ व	केतु	वृश्चि	14:30:34	शुक्र	27/01/2034
मंगल	14/04/2037	14:58:30	मक	हर्ष	कुंभ	02:09:16	सूर्य	21/12/2034
राहु	19/02/2040	05:34:23	मक	नेप	मक	15:30:08	चन्द्र	21/06/2036
गुरु	01/09/2042	12:36:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	24:12:06	मंगल	10/07/2037

लग्न-चलित

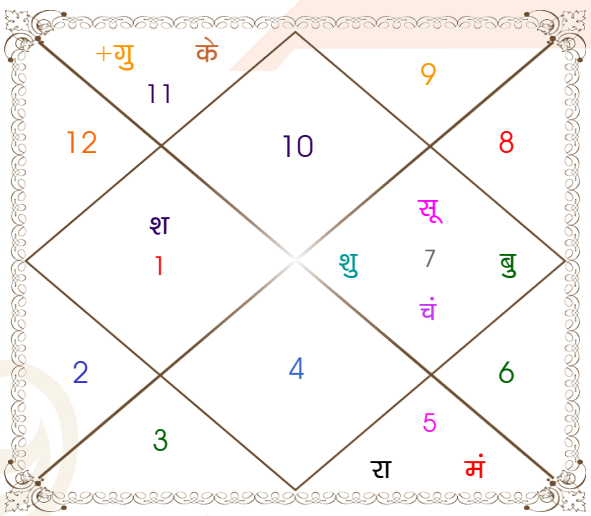

लग्न-चलित

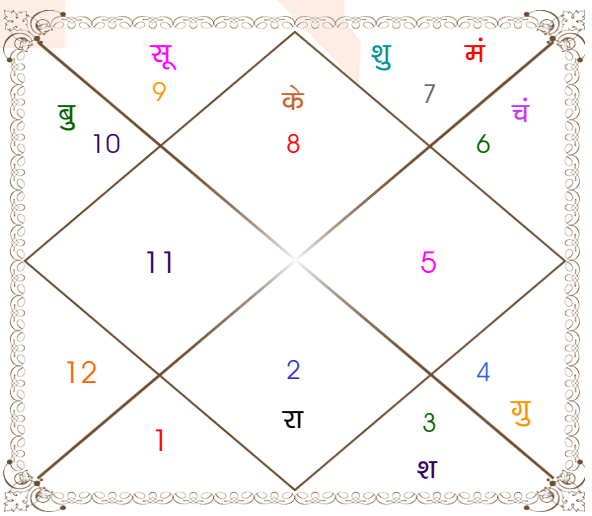

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Rohan का वर्ग मृग है तथा Purva का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rohan और Purva का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rohan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Rohan कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Purva मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Purva कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Purva कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rohan तथा Purva में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।